मध्य प्रदेश में खेलो एम.पी. यूथ गेम्स और युवा नीति 2023 के माध्यम से युवा खिलाड़ियों का विकास ।

- **शोधार्थी:- वाजिद अली, शारीरिक शिक्षा विभाग, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, मध्य प्रदेश**
- **करस्पांडिंग आर्थर - प्रो. पवन कुमार पचौरी, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा एवं योग विभाग, कुलभास्कर आश्रम पी.जी. कॉलेज, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश**
- **डॉ संजीव मिश्रा, सहायक प्राध्यापक शारीरिक शिक्षा विभाग अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा, मध्यप्रदेश**
- **शोध पर्यवेक्षकः - डॉ. शाहिदा सिद्दीकी एसोसिएट प्रोफेसर (समाजशास्त्र) शासकीय टी०आर०एस० कॉलेज रीवा, मध्य प्रदेश**

https://doi.org/ 10.55041/ijsmt.v2i6.128

Cite this Article: अली, □., मिश्रा, □. □. & सिद्दीकी, □. □. (2026). मध्य प्रदेश में खेलो एम.पी. यूथ गेम्स और युवा नीति 2023 के माध्यम से युवा खिलाड़ियों का विकास ।. International Journal of Science, Strategic Management and Technology, *02*(6). https://doi.org/10.55041/ijsmt.v2i6.128

License: This article is published under the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY 4.0), permitting use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author(s) and source are properly credited.

सारांश (abstract)

मध्य प्रदेश सरकार ने युवा नीति 2023 तथा खेलो मध्य प्रदेश युवा खेल जैसी पहलों के माध्यम से युवाओं को खेलकूद से जोड़ने का सशक्त प्रयास किया है। इस शोध पत्र में विभागीय रिपोर्टों, आधिकारिक वेबसाइट तथा प्रेस विज्ञप्तियों के द्वितीयक आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य इन योजनाओं की उपलब्धियों, आयोजन संरचना तथा युवा विकास पर उनके प्रभाव को समझना है। परिणाम बताते हैं कि खेलो भारत युवा खेल 2025 में मध्य प्रदेश ने 32 पदक प्राप्त कर शीर्ष दस राज्यों में स्थान बनाया। युवा नीति 2023 के क्रियान्वयन से प्रशिक्षण केंद्रों की संख्या बढ़ी है, किंतु जिला तथा विकासखंड स्तर पर आधारभूत संरचना में अभी भी सुधार की आवश्यकता है। यह अध्ययन नीति निर्माताओं तथा शोधकर्ताओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

प्रस्तावना

शोध समस्या का प्रस्तुतिकरण

मध्य प्रदेश में 15 से 35 वर्ष की आयु वर्ग की युवा आबादी राज्य की कुल जनसंख्या का बड़ा भाग है। इन युवाओं में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, अनुशासन की कमी तथा व्यक्तित्व विकास की चुनौतियां प्रमुख हैं। आधुनिक युग में युवा नशे, बेरोजगारी तथा मानसिक तनाव जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। खेलकूद इन समस्याओं का प्रभावी समाधान सिद्ध हो सकता है, क्योंकि यह शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक दृढ़ता तथा सामाजिक एकता को बढ़ावा देता है। किंतु राज्य स्तर पर खेल नीतियों का क्रियान्वयन अभी अपेक्षित स्तर पर नहीं पहुंचा है। ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत संरचना की कमी, प्रशिक्षण सुविधाओं का

अभाव तथा युवाओं की भागीदारी में असमानता जैसी समस्याएं बनी हुई हैं। युवा नीति 2023 तथा खेलो मध्य प्रदेश युवा खेल इन समस्याओं को दूर करने के लिए शुरू किए गए प्रयास हैं, परंतु इनकी प्रभावशीलता का व्यवस्थित मूल्यांकन अभी तक नहीं हुआ है। इस शोध समस्या की जड़ में यह तथ्य है कि 2025 तक की उपलब्धियों का विश्लेषण नीति सुधार के लिए अत्यावश्यक है।

लक्ष्य एवं उद्देश्य

इस शोध के निम्नलिखित उद्देश्य हैं-

- खेलो मध्य प्रदेश युवा खेल की आयोजन संरचना तथा भागीदारी का विश्लेषण करना।
- खेलो भारत युवा खेल 2025 तथा अन्य राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मध्य प्रदेश की उपलब्धियों का मूल्यांकन करना।
- खेल उत्कृष्टता अकादमियों तथा प्रशिक्षण केंद्रों की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करना।
- युवा नीति 2023 के खेल संबंधी प्रावधानों के क्रियान्वयन का आकलन करना।

महत्व तथा आवश्यकता

यह अध्ययन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मध्य प्रदेश युवा नीति 2023 खेल तथा फिटनेस को युवा सशक्तिकरण का प्रमुख साधन मानती है। खेलो मध्य प्रदेश युवा खेल इस नीति का व्यावहारिक रूप है, जो ग्रामीण तथा शहरी युवाओं को समान प्रतिस्पर्धा का मंच प्रदान करता है।

इस शोध की आवश्यकता इस तथ्य से उत्पन्न होती है कि व्यवस्थित खेल आयोजनों से युवाओं में अनुशासन, स्वास्थ्य तथा रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। नीति निर्माताओं, शारीरिक शिक्षा विशेषज्ञों तथा शोधकर्ताओं के लिए यह अध्ययन उपयोगी होगा, क्योंकि यह भविष्य की नीतियों के लिए दिशा प्रदान करेगा।

पूर्व शोध साहित्य का अध्ययन

2010 के पश्चात् युवा विकास तथा खेल नीतियों पर कई महत्वपूर्ण शोध आलेख प्रकाशित हुए हैं।

सिंह (2018) ने हरियाणा में सोशल मीडिया तथा युवाओं की राजनीतिक भागीदारी पर अध्ययन किया, जिसमें खेल को युवा नेतृत्व विकास का माध्यम बताया गया।

सक्सेना तथा अधाना (2020) ने युवा नीति के क्रियान्वयन पर प्रकाश डाला तथा राज्य स्तर पर खेल योजनाओं की भूमिका को रेखांकित किया।

राष्ट्रीय स्तर पर राय (2013) ने खेल नीति में भारत की चुनौतियों का विश्लेषण किया तथा आधारभूत संरचना की कमी को प्रमुख बाधा माना।

2014 में कासिमिर ने आयरलैंड तथा भारत की युवा नीतियों की तुलना की तथा खेल को युवा सशक्तिकरण का सशक्त साधन बताया।

2021 में सेठुरामलिंगम ने भारत में युवा नीति के इतिहास तथा विकास पर शोध किया, जिसमें 2014 की राष्ट्रीय युवा नीति का मूल्यांकन किया गया।

© Author(s). This work is peer-reviewed, openly published, and permanently archived
This article is openly accessible and reusable with proper attribution.

2022 में खेल नीति पर शोध आलेख में भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र की बाधाओं तथा सक्षम तत्वों का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया गया।

2023 में मध्य प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा पर शोध में नई शिक्षा नीति 2020 तथा मध्य प्रदेश युवा नीति 2023 के उद्देश्यों को जोड़ा गया तथा खेल को युवा स्वास्थ्य का आधार माना गया।

2024 में किशोरावस्था में खेल भागीदारी तथा सकारात्मक युवा विकास पर शोध में जीवन कौशल तथा नेतृत्व क्षमता के विकास पर बल दिया गया।

2025 में पारंपरिक भारतीय खेलों तथा शिक्षा में उनके योगदान पर समीक्षा में स्वास्थ्य तथा आत्मनिर्भरता पर जोर दिया गया। ये सभी अध्ययन ग्रामीण क्षेत्रों आधारभूत संरचना की कमी तथा युवा भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

मध्य प्रदेश संदर्भ में युवा नीति 2023 के खेल खंड का विश्लेषण इन पूर्व शोधों को पूरक बनाता है।

शोध विधि

यह द्वितीयक आंकड़ा आधारित शोध है। आंकड़े निम्न स्रोतों से एकत्र किए गए-

- खेल एवं युवक कल्याण विभाग, मध्य प्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट।
- मध्य प्रदेश सूचना विभाग की प्रेस विज्ञप्तियां।
- युवा नीति 2023 का दस्तावेज । आंकड़ा विश्लेषण वर्णनात्मक तथा तुलनात्मक विधि से किया गया। तालिकाओं तथा आंकड़ों के माध्यम से डेटा प्रस्तुत किया गया है।

डाटा विश्लेषण

तालिका 1:

खेलो मध्य प्रदेश युवा खेल की आयोजन संरचना (जनवरी 2026)

क्रमांक

- विशेषता
- विवरण
- कुल चरण
- 3-4 (विकासखंड → जिला → संभाग / राज्य)

कुल खेल

- 28 (एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल, हॉकी आदि)

© Author(s). This work is peer-reviewed, openly published, and permanently archived
This article is openly accessible and reusable with proper attribution.

सीधे राज्य स्तर पर खेल

- प्रमुख खेल (शूटिंग, आर्चरी आदि)

कुल अनुमानित भागीदारी

- लगभग डेढ़ लाख युवा खिलाड़ी (सभी संभागों से)

अवधि

- 10 जनवरी से 31 जनवरी 2026

तालिका 2:

खेलो भारत युवा खेल 2025 तथा अन्य प्रतियोगिताओं में मध्य प्रदेश की उपलब्धियां

- क्रमांक
- प्रतियोगिता
- उपलब्धियां

खेलो भारत युवा खेल 2025

- कुल 32 पदक (10 स्वर्ण, 9 रजत, 13 कांस्य); शीर्ष 10 राज्यों में स्थान

अन्य राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं

- एथलेटिक्स श्रृंखला, मुक्केबाजी आदि में स्वर्ण, रजत तथा कांस्य पदक

खेलो भारत जल क्रीड़ा 2025

- 18 पदक (10 स्वर्ण); टीम चौंपियनशिप

तालिका 3:

खेल उत्कृष्टता अकादमियों तथा प्रशिक्षण केंद्रों की स्थिति (2025 तक)

- क्रमांक
- विशेषता
- विवरण

कुल प्रशिक्षण केंद्र

- 84 से अधिक (पूरे प्रदेश में)

© Author(s). This work is peer-reviewed, openly published, and permanently archived
This article is openly accessible and reusable with proper attribution.

प्रमुख अकादमियां

- आर्चरी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, क्रिकेट, शूटिंग, हॉकी, जल खेल आदि

खेल विज्ञान केंद्र

- भोपाल (टीटी नगर स्टेडियम)

कोच तथा सहायक स्टाफ

- सैकड़ों कोच तथा हजारों एथलीट

आकड़ों की चर्चा एवं व्याख्या

तालिका 1 से स्पष्ट है कि खेलो मध्य प्रदेश युवा खेल ने बड़े पैमाने पर युवाओं को भागीदारी का अवसर प्रदान किया। विकासखंड से राज्य स्तर तक की संरचना ने ग्रामीण युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ा। लगभग डेढ़ लाख खिलाड़ियों की भागीदारी राज्य की खेल संस्कृति को मजबूत करती है।

तालिका 2 खेलो भारत युवा खेल 2025 में मध्य प्रदेश की मजबूत उपस्थिति दर्शाती है। 32 पदकों ने राज्य को राष्ट्रीय मानचित्र पर स्थापित किया। जल खेल में टीम चौंपियनशिप ने जल खेलों को बढ़ावा दिया।

तालिका 3 से ज्ञात होता है कि युवा नीति 2023 के क्रियान्वयन से प्रशिक्षण सुविधाएं बढ़ी हैं। 84 से अधिक केंद्र तथा प्रमुख अकादमियां युवा प्रतिभाओं को निखार रही हैं। किंतु ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच अभी सीमित है। युवा नीति 2023 के खेल खंड में आधारभूत संरचना विकास, खिलाड़ी विकास तथा पैरा खिलाड़ियों के लिए प्रावधान स्पष्ट रूप से क्रियान्वित हो रहे हैं।

निष्कर्ष

मध्य प्रदेश की खेल नीतियां युवा विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही हैं। युवा नीति 2023 तथा खेलो मध्य प्रदेश युवा खेल ने उपलब्धियां हासिल की हैं, जो उत्साहजनक हैं। पदक संख्या में वृद्धि तथा प्रशिक्षण केंद्रों का विस्तार युवा सशक्तिकरण का प्रमाण है।

सुझाव

- जिला तथा विकासखंड स्तर पर अधिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएं।
- महिला खिलाड़ियों के लिए विशेष योजनाएं प्रारंभ की जाएं।
- भविष्य में प्राथमिक सर्वेक्षण आधारित अध्ययन किए जाएं।
- पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए अलग बजट प्रावधान किया जाए।
- कोच प्रशिक्षण कार्यक्रमों को नियमित किया जाए।

© Author(s). This work is peer-reviewed, openly published, and permanently archived
This article is openly accessible and reusable with proper attribution.

संदर्भ ग्रंथ सूची

- मध्य प्रदेश शासन, खेल एवं युवक कल्याण विभाग (2023). मध्य प्रदेश युवा नीति 2023. भोपाल : विभागीय प्रकाशन।
- सिंह, प्रेम (2018). हरियाणा में सोशल मीडिया तथा युवाओं की राजनीतिक भागीदारी। शोध पत्र, भारतीय राजनीति पत्रिका।
- सक्सेना, मयंक तथा अधाना, दीपक (2020). युवा नीति का क्रियान्वयन। शोध आलेख, सामाजिक विज्ञान पत्रिका।
- राय (2013). खेल नीति में भारत की चुनौतियां। शोध पत्र, खेल विकास अध्ययन।
- कासिमिर (2014). आयरलैंड तथा भारत में युवा नीतिरू तुलनात्मक अध्ययन। शोध आलेख, अंतरराष्ट्रीय युवा अध्ययन।
- सेठुरामलिंगम, वी. (2024). भारत में युवा नीति का इतिहास तथा विकास। शोध पत्र, युवा विकास पत्रिका।
- खेल नीति पर शोध आलेख (2022). भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र का विश्लेषण । शोध समीक्षा।
- मध्य प्रदेश शासकीय महाविद्यालयों में शारीरिक शिक्षा (2023). नई शिक्षा नीति तथा युवा नीति 2023। खेल पत्रिका।
- किशोरावस्था में खेल भागीदारी (2024). सकारात्मक युवा विकास। शोध समीक्षा।
- पारंपरिक भारतीय खेल तथा शिक्षा (2025). स्वास्थ्य तथा आत्मनिर्भरता । समीक्षा पत्र।
- खेल एवं युवक कल्याण विभाग (2025-26). वार्षिक रिपोर्ट तथा प्रेस विज्ञप्तियां। भोपाल।
- खेलो भारत युवा खेल 2025 पदक तालिका (2025). आधिकारिक रिपोर्ट।
- राष्ट्रीय खेल नीति संबंधी अध्ययन (2025). युवा विकास पत्रिका।
- युवा नेतृत्व तथा खेल (2021). शोध आलेख, भारतीय युवा अध्ययन।
- आधारभूत संरचना तथा युवा खेल (2023). मध्य प्रदेश संदर्भ। शोध पत्र।

© Author(s). This work is peer-reviewed, openly published, and permanently archived
This article is openly accessible and reusable with proper attribution.